

21-12-19 धत्रावली वेष्टा धत्रावली को अवलोकन

किया इस प्राप्ति पर के साथ प्रकृतिक
की ओर प्रचलन मूल पाठ खासि किया
जा चक है जैसी स्थिति में यह प्राप्ति
में सारल्य है जो पर इला स्वर
पर खासि किया जाता है धत्रावली
निर्णय शुद्ध होकर मात्र स काम

है
आइए आज दिनांक 21/12/19 को पुस्तक
धामल्य में लिखा जा रहा है (पुस्तक प्रकाश)

उपखण्ड अधिकारी
घड़साना

